की कमी के संबंध में सरकार क्या कार्रवाई कर रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि गैस भरने वाली फैक्ट्रियां अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रही हैं जिसके कारण उपभोक्ताओं को गैस सिलिण्डर की पूर्ति करने में कठिनाई हो रही है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार क्या कदम उठा रही है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० शिव शंकर) : (क) और (ख) . पिछले कुछ समय से नागपुर तथा महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्रों में भरने के लिये पर्याप्त संख्या में सिलेंडरों के उपलब्ध न होने; बिजली की कटौती/प्रतिबन्धों के कारण जिन्होंने खपरी भरण संयंत्र के भरण प्रचालनों पर समय-समय पर प्रभाव डाला है तथा परिवहन गत्यावरोधों के कारण खाना पकाने की गैस के उपभोक्ताओं को सिलेंडर रिफिलों की सप्लाई में बक लांग [(पिछले आर्डरों का ढेर) रहा है। इसके अतिरिक्त, लगभग 5000 उपभोक्ताओं को, जिन्हें कि हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एच० पी० सी०) की ग्रही कम्पनी मैसर्ज नागपुर गैस तथा डोमेस्टिक अपलायन्सीज, नागपुर द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही थीं, डीलर के पास अपर्याप्त संख्या में सिलेंडरों के कारण तथा चूंकि उस कंपनी के सिलेंण्डरों को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा अपने अधिकार में लेना के मामले पर समझौता होना बाकी है, बैंक लॉगों का सामना करना पड़ा था। उपभोक्ताओं की कठिनाई को कम करने के लिये, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड ने अन्तरिम उपाय के रूप में इस पार्टी को लगभग 600 सिलेंडर प्रदान किये हैं।

(ग) और (घ) बम्बई स्थित भरण संयंत्र तीन पारियों के आधार पर कार्य कर रहा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड विद्यमान उपभोक्ताओं और साथ ही क्षेत्र में दर्ज नये उपभोक्ताओं की बढ़ी हुई घरेलू भाग को पूरा करने के लिये खपरी स्थित संयंत्र में एक जेनरेटर स्थापित करने के लिये तथा इसे दो पारियों के आधार पर चलाने के प्रबन्ध कर रहा है।

No new projects to be taken up in Central sector due to financial constraints

3817. SHRI DEEN BANDHU VERMA:

SHRI B. V. DESAI:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided that no new power projects will be taken up for execution in the Central Sector during the next financial year due to resources constraints; and

(b) if so, what are the reasons for neglecting this vital sector when industries are affected by power shortage?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH): (a) and (b). As a result of resource constraints, the budgetary allocations made in respect of the Central Sector falls short of the requirements. In the outlay for Central Sector for 1983-84, there is no provision for major new starts as the ongoing projects have been accorded relatively higher priority.

Development of small hydel stations

3818. SHRI JAGDISH TYTLER: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government are considering the need for a national policy on the development of small hydel stations especially keeping in view the needs of people in remote areas of the country;